बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

अक्टूबर, 2022

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

विषय सूची

		पेज नं.
(A)	आपदा जोखिम एव न्यूनीकरण विषय पर सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण	03
(B)	एन.सी.सी. के शिविरों में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल	04
(C)	बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों का व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	05
(D)	दिव्यांगजन आपदा सुरक्षा प्रशिक्षण मॉड्यूल पर विचार–विमर्श	06
(E)	सड़क सुरक्षा और शीतलहर पर मंचीय नाटक का परीक्षण	07
(F)	सोनपुर मेला पैवेलियन को लेकर तैयारी बैठक	08
(G)	जीविका दीदियों को प्रशिक्षित करेंगे "मास्टर ट्रेनर्स", मॉडयूल तैयार	10
(H)	बीएसटीएन (बिहार सिस्मिक टेलीमेट्री नेटवर्क) फील्ड स्टेशन के भवन	11
(I)	छठ पर्व–2022 के अवसर पर दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों का उन्मुखीकरण	12
(J)	छठ के दौरान डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम हेतु ऑनलाइन अभिमुखीकरण	13
(K)	दीपावली एवं छठ पर्व के आलोक में मार्गदर्शिका का प्रकाशन	14
(L)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	15
(M)	व्यय विवरणी	16

(A) आपदा जोखिम एव न्यूनीकरण विषय पर सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण

हमारा बिहार बहु–आपदा प्रवण राज्य है। फलतः हमारे गांव, पंचायतों, प्रखंड एवं जिलों में विभिन्न तरह की आपदाएं आती रहती हैं। पंचायतों में कुछ नौजवान आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु जरूरी ज्ञान और हुनर सीख लें तो वे अपने गांव, पंचायत, प्रखंड एवं जिले को आपदाओं से सुरक्षित रख सकते हैं। इस उद्देश्य हेतु प्रशिक्षण के माध्यम से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राज्य के नौजवानों/नवयुवतियों को प्रशिक्षित कर आपदाओ के प्रत्युत्तर हेतु तैयार कर रहा है ताकि आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करने में वे अपने समुदाय के मददगार हो सकें। इसी क्रम में अक्टूबर माह में दिनांक 10.10.2022 से 21.10.2022 के बीच जिला पूर्वी चम्पारण एवं पूर्णिया के कुल 101 स्वयंसेवकों को दो बैचों में राज्य आपदा मोचन बल एवं नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान बिहटा, पटना में 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया है। अक्टूबर माह तक पूर्णिया, मुजफ्फरपुर, प0 चम्पारण, पूर्वी चम्पारण एवं अररिया जिले के कुल 803 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया है। पूर्णिया जिले की कुल 57 बेटियों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रशिक्षण दिया गया। राज्य में यह पहली बार हुआ। 18 से लेकर 40 आयु वर्ग की लड़कियों और युवतियों को 12 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। बेटियों को सशक्त बनाने के साथ–साथ समाज को सशक्त बनाने की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगा। इनके रहने–खाने और इनके बीच मानदेय वितरण आदि की बेहतर व्यवस्था की गई थी।

(B) एन.सी.सी. के शिविरों में "सड़क सुरक्षा के उपायों, प्राथमिक उपचार एवं अन्य प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के बारे में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल"

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एन.सी.सी. उड़ान एवं एस.डी.आर.एफ. के सहयोग से एन.सी.सी. के कैडेट्स को **सड़क सुरक्षा के उपायों, प्राथमिक उपचार एवं अन्य प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के बारे में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल** राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित एन.सी.सी. शिविरों के दौरान सम्पन्न करवाया जाता है। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार हेतु सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपाय, डूबने की घटनाओं की रोकथाम से बचाव के उपाय, ठनका से बचाव के उपाय, भूकंप से बचाव हेतु हस्त पुस्तिकाओं / प्रचार –प्रसार सामग्रियों का वितरण (क्या करें, क्या नहीं करें), अस्पताल पूर्व चिकित्सा विषय पर प्रशिक्षण तथा एस.डी.आर.एफ. के द्वारा विभिन्न आपदाओं से बचाव हेतु मॉकड्रिल कराया जाता है।

यह कार्यक्रम अक्टूबर माह 2022 में निम्नलिखित शिविरों में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने वाले कैडेट्स के बीच संचालित किया गया :–

क्र0सं0	दिनांक	शिविर स्थल	प्रतिभागियों की संख्या
01	14.10.2022	ओ०टी०सी०, बरौनी, बेगूसराय।	510
02	17.10.2022	जे०एन०वी०,पिपरा कोठी, पूर्वी चंपारण।	410
03	28.10.2022	जे०एन०वी. ,नवानगर, बक्सर ।	460
कुल			**1380**

(C) बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों का "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्राधिकरण की 5वीं एवं 11वीं बैठक में लिए गये निर्णय के आलोक में प्राधिकरण द्वारा बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण बिपार्ड के सहयोग से चलाये जाने का निर्णय किया गया था।

बिहार पुलिस सेवा के अधिकारी राज्य, जिला एवं अनुमंडल स्तर पर विधि–व्यवस्था संधारण, अपराध नियंत्रण एवं आमजन को सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते ही हैं, मानवजनित एवं प्राकृतिक आपदाओं में भी राज्य की ओर से प्रथम रिस्पांडर का कार्य करते हैं। विशेषकर मानवजनित आपदाओं, जैसे भगदड़, सड़क/रेल/हवाई दुर्घटनाओं एवं अगलगी में इनकी भूमिका प्राथमिक महत्व की हो जाती है। साथ ही वे प्राकृतिक आपदाओं की दशा में राहत एवं बचाव कार्यों के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अतएव यह आवश्यक हो जाता है कि आपदा प्रबंधन की बदलती अवधारणा की पृष्ठभूमि में ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर इनका क्षमतावर्द्धन किया जाए।

उल्लिखित कार्यक्रम का शुभारंभ नवम्बर माह 2019 में किया गया। जून माह 2022 तक कुल 09 बैचों में 217 पदाधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न किया गया। जुलाई माह 2022 में 10वें एवं 11वें बैच में कुल 78 पदाधिकारियों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। 12वें बैच में (दिनाँक 5–7 सितंबर 2022) में कुल 37 पदाधिकारियों,13वें बैच में (14 –16 सितंबर) कुल 44 पदाधिकारियों एवं 14वें बैच में (26 –28 सितंबर 2022) कुल 28 पदाधिकारियों ने भाग लिया। 15वें बैच में (12 –14 अक्टूबर 2022) कुल 32 पदाधिकारियों ने भाग लिया। **इस प्रकार कुल अभी तक 436 पुलिस सेवा के पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है।**

(D) दिव्यांगजन आपदा सुरक्षा प्रशिक्षण मॉड्यूल

विशेषज्ञ एजेंसियों के प्रतिनिधियों से किया विचार–विमर्श

दिव्यांगजन आपदा सुरक्षा प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने के लिए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सभागार में 17 अक्टूबर को एक बैठक हुई। इसमें विभिन्न आपदाओं की स्थिति में दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं और सीमाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए जरूरी संसाधनों और

तौर–तरीकों पर विचार किया गया। बैठक में अलग–अलग आपदाओं की स्थिति में दिव्यांगों की अलग–अलग श्रेणियों, मसलन नेत्रहीन, मूक–बधिर, आदि की जरूरतों को ध्यान में रख प्रशिक्षण मॉड्यूल बनाने के लिए तमाम विशेषज्ञ एजेंसियों के प्रतिनिधियों से विचार–विमर्श किया गया। बैठक में एसडीआरएफ के सेकेंड–इन–कमांड केके झा सहित अन्य लोग मौजूद थे। प्राधिकरण की ओर से एक प्रशिक्षण मार्गदर्शिका बनाने का काम अंतिम चरण में है। मार्गदर्शिका का लोकार्पण माननीय मुख्यमंत्री सह अध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण श्री नीतीश कुमार के कर कमलों से संपन्न होगा। दिव्यांगों को आपदाओं में सुरक्षित रखने और जागरूक करने का अभियान पूरे राज्य में छेड़ा जाएगा।

(E) सड़क सुरक्षा और शीतलहर पर नुक्कड़ नाटक का डेमो

दो नाट्य संस्थाओं के कलाकारों ने दी प्रस्तुति

आपदा की स्थिति में खुद को और समुदाय को कैसे सुरक्षित रखें, इस बाबत गांव–गांव में जन जागरूकता के लिए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नुक्कड़ नाटक जैसे माध्यमों का सहारा भी लेता है। कला और नाट्य संस्था से जुड़े लोगों से नाटक की स्क्रिप्ट लिखवाने के बाद इसके मंचन हेतु चयनित संस्थाओं का डेमो प्राधिकरण सभागार में 21 अक्टूबर को किया गया। इसमें सवेरा जन उत्थान संस्थान और बिंदु कला संगम के कलाकारों ने सड़क सुरक्षा और शीतलहर जैसी आपदा को लेकर नाटक का मंचन किया। चयन समिति ने दोनों नाटकों को मापदंड के अनुरूप नहीं पाया।

(F) सोनपुर मेला पैवेलियन को लेकर तैयारी बैठक

आपदाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने का बड़ा अभियान

राजधानी पटना से महज पांच किलोमीटर उत्तर सारण में गंगा और गंडक नदी के संगम पर स्थित सोनपुर कस्बे को ही प्राचीन काल में हरिहरक्षेत्र के नाम से जाना जाता था। देश के चार धर्म महाक्षेत्रों में से एक हरिहरक्षेत्र है। ऐसा कहा जाता है कि इस संगम की धारा में स्नान करने से हजारों वर्ष के पाप कट जाते हैं। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर यहां विशाल मेला लगता है, जो मवेशियों के लिए एशिया का सबसे बड़ा मेला समझा जाता है। यहां परिदों से लेकर हाथी, घोड़े, गाय, बैल से लेकर नाना प्रकार के खिलौने और लकड़ी के सामान बिकने को आते हैं। सोनपुर मेला लगभग एक मास तक चलता है।

आगामी 10 नवंबर को माननीय आपदा प्रबंधन मंत्री, बिहार श्री शाहनवाज मेले का उद्घाटन करेंगे। कोरोना की वजह से दो साल के अंतराल के बाद इस बार मेले के आयोजन को लेकर बिहार के लोगों में अत्यंत उत्साह है। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से मेले में विशेष पैवेलियन लगाया जाता है। यहां नुक्कड़ नाटक, मॉक ड्रिल, प्रदर्शनी, पंफलेट व हैंडबिल आदि का वितरण कर लोगों को विभिन्न आपदाओं के प्रति जागरूक किया जाता है। एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, फायर सर्विसेज, नीनी, यूनिसेफ, एनसीसी समेत कई स्वयंसेवी संस्थाओं की इसमें सक्रिय भागीदारी होती है। सहयोगी संस्थाओं और एजेंसियों के साथ लगातार बैठकें कर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पैवेलियन के सफल आयोजन के लिए सतत प्रयासरत है। प्राधिकरण सभागार में 21 अक्टूबर को ऐसी ही एक तैयारी बैठक में तमाम हितभागियों, सहयोगी संस्थाओं व सरकारी विभागों से जुड़े लोगों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत मिश्र ने की। बैठक में माननीय सदस्य श्री पी एन राय व माननीय सचिव श्री मीनेंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

सोनपुर मेला तैयारी बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय इस प्रकार हैं :

- एसडीआरएफ विभिन्न आपदाओं के बारे में मॉक ड्रिल का आयोजन करेगा। सर्पदंश एवं सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित नुक्कड़ नाटकों का मंचन करेगा, विभिन्न आपदाओं से बचाव के बारे में सामुदायिक स्वयंसेवकों को नियुक्त कर जागरूकता अभियान चलाएगा।

- बिहार अग्निशमन सेवा के प्रशिक्षित दस्ते पूर्व वर्षों की भांति अगलगी की घटनाओं से बचाव हेतु स्टॉल लगाएंगे। साथ ही नुक्कड़ नाटक के जरिए मेला क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

- सिविल डिफेंस के स्वयंसेवक प्रशिक्षण की प्रमुख गतिविधियों का प्रदर्शन करेंगे। साथ ही मेला परिसर एवं पशु बाजार में पशु सुरक्षा से जुड़े मॉक ड्रिल भी आयोजित किए जाएंगे।

- मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत यूनिसेफ के सहयोग से स्थानीय विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के बीच विभिन्न आपदाओं के बारे में मॉक ड्रिल, चित्रकारी प्रतियोगिता प्रचार–प्रसार सामग्रियों का प्रदर्शन–वितरण एवं अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

- एनसीसी, जीपीएसवीएस, सीड्स, डॉक्टर्स फॉर यू, उत्कर्ष एक पहल, जेंडर इक्वलिटी, डेवलपमेंट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट और नीनी के स्टॉल पैवेलियन में लगाए जाएंगे और लोगों को आपदाओं के बारे में जागरूक किया जाएगा।

- वर्ष 2019 की भांति इस वर्ष भी विभिन्न स्टाल में प्रतिनियुक्त टीम के सदस्यों, एमएसएसपी के छात्र–छात्राओं के लिए भोजन की व्यवस्था एसडीआरएफ के सहयोग से की जाएगी।

(G) जीविका दीदियों को प्रशिक्षित करेंगे "मास्टर ट्रेनर्स", मॉडयूल तैयार

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग का प्रतिवेदन

जीविका समूह की सभी दीदियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षित किया जाना है। इन्हें प्रशिक्षित करने के लिए "मास्टर ट्रेनर्स" को प्रशिक्षण हेतु चार प्रकार के प्रशिक्षण मॉड्यूल, यथा प्राकृतिक आपदाएं, मानवजनित आपदाएं, स्वास्थ्य संबंधी आपदाएं एवं सामाजिक आपदाएं विषय पर प्रशिक्षण दिये जाने आलोक में प्रशिक्षण मॉड्यूल–II (मानवजनित आपदाएं) तैयार किया गया। इस प्रशिक्षण मॉड्यूल में मुख्य रूप से सड़क दुर्घटना/रेल दुर्घटना, अगलगी, नाव दुर्घटना, डूबना, भगदड़, प्रदूषण, कार्य स्थल की दुर्घटना/भवन ढह जाना, जहरीली गैस से होने वाली दुर्घटना, बिजली के तार से दुर्घटना एवं मिट्टी का धँस जाना और मानवजनित आपदाओं के विषय पर अध्यायवार वर्णन किया गया है।

तैयार किये गये मॉड्यूल–II पर राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम माह नवम्बर 2022 से आरंभ किये जाने का प्रस्ताव है। इस प्रशिक्षण का लक्ष्य है कि इन प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से सभी जीविका दीदियों को प्रशिक्षण देकर जागरूक किया जाए ताकि वे विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से सुरक्षित रहें एवं दूसरे को भी आपदा से सुरक्षित रखने में अपना योगदान दे सकें।

(H) बीएसटीएन (बिहार सिस्मिक टेलीमेट्री नेटवर्क) फील्ड स्टेशन के भवन

प्राकृतिक आपदा प्रभाग की गतिविधियां

- बीएसटीएन के अंतर्गत फील्ड स्टेशन के भवनों के कार्य प्रगति के संबंध में भवन निर्माण निगम के साथ लगातार समन्वय बनाते हुए अग्रेतर कार्य किये जा रहे हैं। इस संबंध में आरएफपी (प्रस्ताव के लिए अनुरोध) तैयार कर लिया गया है जिसे निदेशानुसार विशेषज्ञों को गहन अध्ययन व विश्लेषण (वेट्टिंग) हेतु भेजने की कारवाई की गई है।

- देश के ख्यातिलब्ध शैक्षणिक संस्थान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आइआइएससी), बेंगलुरु के साथ बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इस एमओयू के माध्यम से कोसी क्षेत्र में बाढ़ पूर्वानुमान का नया मॉडल विकसित किया जाएगा। देश में यह अपनी तरह का नया प्रयोग है। इसका उद्देश्य कोसी क्षेत्र में बाढ़ से होने वाले नुकसान को कम से कम करना है।

- राजकीय पॉलिटेक्निक, दरभंगा में निर्माणाधीन भूकम्प सुरक्षा क्लीनिक सह परामर्श केन्द्र के निर्माण कार्य समापन पर है।
- निदेशानुसार, प्राधिकरण स्तर पर गठित क्रय समिति, प्राधिकरण के स्थापना दिवस एवं सोनपुर मेला से संबंधित विभिन्न कार्य किए गए।
- जिलों में होने वाली बहु आपदा मॉक ड्रिल के संदर्भ में प्रशिक्षण मॉडयूल तैयार करने हेतु दिनांक 21 अक्टूबर को सम्बंधित हितधारकों के साथ बैठक की गई।

(I) छठ पर्व–2022 के अवसर पर पटना जिला के घाटों पर सम्पूर्ण व्यवस्था, विधि व्यवस्था संधारण एवं अन्य बिन्दुओं पर दंडाधिकारियों / पुलिस पदाधिकारियों का उन्मुखीकरण

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा दिनांक 27 अक्टूबर, 2022 को श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल, पटना में पटना जिला के घाटों पर सम्पूर्ण व्यवस्था, विधि व्यवस्था संधारण एवं अन्य बिन्दुओं पर दंडाधिकारियों/पुलिस पदाधिकारियों एवं छठ पूजा समिति के सदस्यों का उन्मुखीकरण किया गया। प्राधिकरण के द्वारा छठ पर्व 2022 की तैयारियों के मद्देनजर संभावित खतरों की पहचान एवं प्राधिकरण द्वारा पूर्व में किए गए अध्ययन के प्रमुख तथ्य एवं प्रशासनिक सुझावों पर प्रस्तुतीकरण दिया गया।

(J) छठ महापर्व के दौरान डूबने से होने वाली मौतों (Drowning Deaths) की रोकथाम हेतु ऑनलाइन अभिमुखीकरण

छठ महापर्व के दौरान डूबने से होने वाली मौतों (Drowning Deaths) की रोकथाम के उद्देश्य से GPSVS, मधुबनी के सहयोग से 28 अक्टूबर 2022 को ऑनलाइन अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डूबने से होने वाली मौतों (Drowning Deaths) की रोकथाम हेतु प्रतिभागियों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से डूबने की घटनाओं की स्थिति, डूबने की घटनाओं के प्रमुख कारणों, समुदाय/पंचायत स्तर एवं प्रशासन स्तर से की जाने वाली तैयारियों एवं सावधानियों के संबंध में सभी को अवगत करवाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

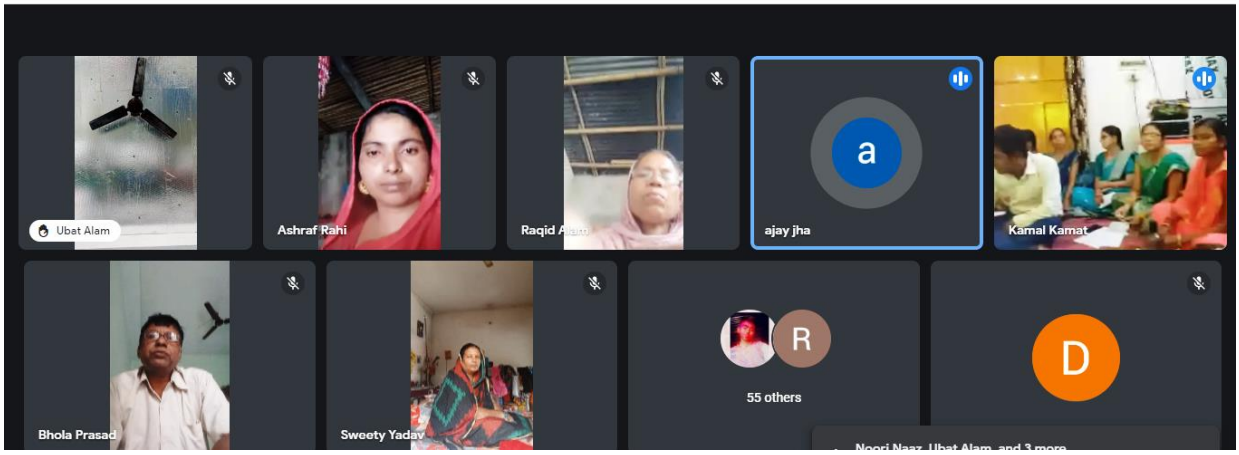

(K) दीपावली एवं छठ पर्व के आलोक में विभिन्न समाचार पत्रों में सुरक्षा के उपायों एवं पूर्व तैयारी हेतु मार्गदर्शिका का प्रकाशन

(L) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

अब तक कुल 6379 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर अक्टूबर माह में राज्य के कुल 284 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 8 सरकारी एवं 276 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशा निर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण संलग्न है। इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 6379 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है।

माह अक्टूबर 2022 में अस्पतालों/नर्सिंग होमस् के भवनों में फायर ऑडिट का ऑकड़ा।

क्र0सं0	जिला का नाम	कोविड अस्पताल			नन कोविड अस्पताल		
		सरकारी	निजी अस्पताल	कुल	सरकारी	निजी अस्पताल	कुल
1	पटना	0	0	0	0	30	30
2	नालंदा	0	0	0	0	7	7
3	रोहतास	0	0	0	0	7	7
4	भभुआ	0	0	0	0	9	9
5	भोजपुर	0	0	0	3	1	4
6	बक्सर	0	0	0	0	4	4
7	गया	1	0	1	0	15	15
8	जहानाबाद	0	0	0	0	15	15
9	अरवल	0	0	0	0	1	1
10	नवादा	0	0	0	0	3	3
11	औरंगाबाद	0	0	0	0	4	4
12	छपरा	0	0	0	0	2	2
13	सिवान	0	0	0	0	1	1
14	गोपालगंज	0	0	0	0	1	1
15	मुजफ्फरपुर	0	0	0	0	39	39
16	सीतामढ़ी	0	0	0	0	10	10
17	शिवहर	0	0	0	0	0	0
18	बेतिया	0	0	0	0	2	2
19	बगहा	0	0	0	0	2	2
20	मोतिहारी	0	0	0	0	11	11
21	वैशाली	0	0	0	0	9	9
22	दरभंगा	0	0	0	0	7	7
23	मधुबनी	0	0	0	1	17	18
24	समस्तीपुर	0	0	0	0	4	4
25	सहरसा	0	1	1	0	5	5
26	सुपौल	0	1	1	0	7	7
27	मधेपुरा	0	0	0	0	4	4
28	पूर्णिया	0	0	0	0	3	3
29	अररिया	0	0	0	0	7	7
30	किशनगंज	0	0	0	0	6	6
31	कटिहार	0	0	0	0	11	11
32	भागलपुर	0	0	0	0	10	10
33	नवगछिया	0	0	0	0	0	0
34	बाँका	0	0	0	0	3	3
35	मुंगेर	0	0	0	0	2	2
36	लखीसराय	0	0	0	0	2	2
37	शेखपुरा	0	0	0	0	0	0
38	जमुई	0	0	0	1	3	4
39	खगड़िया	0	0	0	0	1	1
40	बेगुसराय	2	0	2	0	9	9
कुल योग		3	2	5	5	274	279

(M) व्यय विवरणी

माह अक्टूबर, 2022 में प्राधिकरण में हुए व्यय का विवरण :

क्रमांक	परियोजना का नाम/मद	राशि
1.	राजमिस्त्रियों/अभियंताओं का प्रशिक्षण	–
2.	सुरक्षित तैराकी प्रशिक्षण	–
3.	सड़क सुरक्षा जागरुकता	–
4.	हीट वेव	–
5.	बाढ़/सूखा	–
6.	जन जागरुकता	रु.7380.00
7.	वीडीएमपी	रु.780.00
8.	डीडीएमपी	–
9.	अग्नि सुरक्षा	रु.87740.00
10.	भूकंप/ अग्नि सुरक्षा मॉकड्रिल	–
11.	यात्रा भत्ता	रु.11466.00
12.	प्रोफेशनल्स का पारिश्रमिक/मानदेय	रु.1525517.1
13.	सरकारी सेवक का वेतन	रु.1896139.00
	कुल योग	**रु.35,29,022.1**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)